आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 24.01.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड के कई हिस्सों में कल बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के बाद ठंड में बढ़ोतरी।
- उत्तराखंड के "विजन 2047" को साकार करने के उद्देश्य से देहरादून में आयोजित चिंतन शिविर में अर्थव्यवस्था, रोजगार और अवसंरचना विकास को लेकर विस्तृत मंथन किया गया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में विभिन्न विकास योजनाओं के लिए कुल ग्यारह करोड़ अस्सी लाख रुपये की धनराशि के अनुमोदन को मंजूरी दी।
- यूसीसी के क्रियान्वयन की दिशा में देहरादून ने सभी विभागीय कर्मचारियों का यूसीसी पोर्टल पर शत–प्रतिशत पंजीकरण पूरा किया।

मौसम

उत्तराखंड के कई हिस्सों में कल बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के बाद ठंड में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हमारी संवाददाता ने बताया है कि मौसम बदलने से प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है।

चारधाम सहित राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई है। बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के आसपास के क्षेत्रों के साथ ही हेमकुंड साहिब, औली, रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ और बागेश्वर के ऊपरी इलाकों में हिमपात से तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

मैदानी और निचले पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जिससे ठंडक बढ़ गई है।

अत्यधिक ठंड और बारि□ा और बर्फबारी के चलते आज देहरादून, टिहरी, चंपावत, चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, पौड़ी, उधमसिंह नगर और बागेश्वर ज़िलों के सभी स्कूलों और आगनवाड़ी केंद्रों में अवका□ा घोशित किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना बनी रह सकती है, वहीं तापमान में गिरावट के चलते ठंड का असर और बढ़ सकता है।

इस बीच, राज्य के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी और हिमस्खलन की संभावना को देखते हुए हिमस्खलन का अलर्ट जारी किया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने संबंधित जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और अन्य विभागों को सतर्क रहने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने स्थानीय लोगों, पर्यटकों और तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें।

व्यवस्था निरीक्षण

लगातार बारिश और बढ़ती ठंड के बीच देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने रात में शहर के विभिन्न चौक–चौराहों पर पहुंचकर अलाव की व्यवस्था का निरीक्षण किया और रैन बसेरों में रह रहे लोगों का हाल जाना।

जिलाधिकारी ने रैन बसेरों में ठहरे जरूरतमंद और असहाय लोगों से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने नगर निगम और तहसील प्रशासन को निर्देश दिए कि ठंड के मौसम में कोई भी व्यक्ति असुविधा का शिकार न हो। रैन बसेरों में सफाई, गर्म पानी और बिस्तरों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के साथ ही सभी प्रमुख स्थानों पर अलाव की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने नगर निगम और तहसील प्रशासन को यह भी निर्देशित किया कि अलाव के सभी प्वाइंट्स की प्रतिदिन फोटो सहित सूचना प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से असहाय, निराश्रित और बेघर लोगों की सहायता के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और ठंड व बारिश के दौरान रैन बसेरों में पर्याप्त कंबल, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

विज़न 2047

उत्तराखंड के "विजन 2047" को साकार करने के उद्देश्य से देहरादून में आयोजित चिंतन शिविर में अर्थव्यवस्था, रोजगार और अवसंरचना विकास को लेकर विस्तृत मंथन किया गया। शिविर का उद्देश्य राज्य के दीर्घकालिक, संतुलित, जलवायु–संवेदनशील और रोजगारोन्मुखी विकास के लिए रणनीतियां तैयार करना रहा।

शिविर में अर्थव्यवस्था और रोजगार पर केंद्रित सत्र में कृषि, उद्योग, पर्यटन, कौशल विकास और रोजगार को राज्य की आर्थिक प्रगति का आधार बताया गया। वक्ताओं ने प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों में संतुलित विकास, भूमि के प्रभावी उपयोग, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार और कौशल आधारित रोजगार सृजन पर जोर दिया। पर्यटन क्षेत्र में पर्यावरण के अनुकूल और स्थानीय समुदायों की भागीदारी वाले मॉडल को आवश्यक बताया गया।

साथ ही तकनीक आधारित शासन, आईटी और एआई के उपयोग, 5जी विस्तार तथा डिजिटल सेवाओं को भविष्य की नींव बताया गया।

जन जन की सरकार, जन जन के द्वार

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में चल रहा "जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार" कार्यक्रम जमीनी स्तर पर प्रभावी साबित हो रहा है। इस पहल के तहत सरकार सीधे जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है।

कार्यक्रम के अंतर्गत कल प्रदेश में 7 कैम्प आयोजित किए गए, जिनमें 2 हजार 933 नागरिकों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं और सेवाओं का मौके पर समाधान प्राप्त किया। लोगों की भागीदारी यह दर्शाती है कि इस पहल पर जनता का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

अब तक इस अभियान के तहत प्रदेशभर में कुल 452 कैम्प लगाए जा चुके हैं, जिनमें लगभग 3 लाख 57 हजार से अधिक नागरिकों ने सहभागिता की है। इन कैम्पों में राजस्व, सामाजिक कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पेंशन, प्रमाण पत्र और शिकायत निस्तारण से जुड़ी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार का उद्देश्य योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित रखना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

धनराि मंजूर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में विभिन्न विकास योजनाओं के लिए कुल ग्यारह करोड़ अस्सी लाख रुपये की धनराशि के अनुमोदन को मंजूरी दी है। यह स्वीकृति आगामी कुम्भ मेला 2027 की अवस्थापना सुविधाओं के विकास के साथ–साथ प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से दी गई है।

कुम्भ मेला 2027 के तहत हरिद्वार ज़िले में चंडी देवी और मनसा देवी मंदिर क्षेत्रों में तीर्थयात्री सुविधाओं और पहुंच मार्गों के विकास से जुड़े कार्यों को स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर क्षेत्र में निराश्रित व्यक्तियों के लिए स्थायी रैन बसेरा, चम्पावत में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज परिसर में पार्क निर्माण और उत्तरकाशी में होमगार्ड्स कार्यालय के अनावासीय भवन निर्माण को भी मंजूरी दी गई है।

इसके अलावा पिथौरागढ़ ज़िले में मूनाकोट विकासखंड के अंतर्गत गांवों में आंतरिक और संपर्क मार्गों के निर्माण कार्यों को भी स्वीकृत किया गया है, जिससे स्थानीय आवागमन और सुविधाओं में सुधार होगा।

यूसीसी

समान नागरिक संहिता–यूसीसी के क्रियान्वयन की दिशा में देहरादून ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। ज़िले के सभी विभागीय कर्मचारियों का यूसीसी पोर्टल पर शत–प्रतिशत पंजीकरण पूरा कर लिया गया है। एक रिपोर्ट–

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के तहत जिला प्रशासन की सख्त निगरानी और प्रभावी कार्ययोजना के चलते यह लक्ष्य निर्धारित समय में पूरा किया गया। विभागीय कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से नामांकन प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई।

ट्रेजरी डेटा के अनुसार देहरादून ज़िले में कुल 26 हजार 49 विभागीय कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 26 मार्च 2010 के बाद विवाह करने वाले 7 हजार 263 पात्र कर्मचारियों ने यूसीसी के अंतर्गत अपना पंजीकरण पूर्ण किया है।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि व्यापक प्रचार–प्रसार और जमीनी स्तर पर किए गए प्रयासों के चलते यूसीसी पोर्टल के माध्यम से अब तक 60 हजार से अधिक विवाह पंजीकरण किए जा चुके हैं।

वनाग्नि नियंत्रण बैठक

वनाग्नि की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर देहरादून जिला प्रशासन अलर्ट मोड में है। जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार में ज़िला स्तरीय वनाग्नि प्रबंधन समिति की बैठक हुई, जिसमें फायर सीजन के दौरान रोकथाम और त्वरित कार्रवाई को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में वनाग्नि प्रबंधन को मजबूत करने के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद हेतु 45 लाख रुपये की धनराशि को मौके पर ही स्वीकृति दी गई। जिलाधिकारी ने कहा कि वनाग्नि रोकथाम में वन पंचायतों, ग्राम और ब्लॉक स्तर की समितियों तथा स्थानीय समुदाय की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने जन सहभागिता बढ़ाने और ग्राम स्तर पर समितियों को सक्रिय रूप से कार्यरत रखने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि वन पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं और महिला स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी से व्यापक जन–जागरूकता अभियान चलाए जाएं। साथ ही विद्यालयों में भी नियमित रूप से वनाग्नि से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए। आरक्षित वन क्षेत्रों और गुज्जर बस्तियों में विशेष सतर्कता बरतने पर भी जोर दिया गया।

आज के समाचार

लंबे समय के बाद राज्य में बर्फबारी और बारिश होने की ख़बर आज सभी अख़बारों की सुर्खियों में है।

दैनिक जागरण लिखता है– तीन माह इंतजार के बाद पहाड़ों पर बिछी सफेद चादर। नवोदय टाइम्स बर्फबारी की तस्वीरों के साथ लिखता है – बर्फ और बारिश में भीगा बसंत।

नंदा देवी राजजात से जुड़ी ख़बर पर दैनिक जागरण लिखता है–जारी हुआ बड़ी जात के लिये बधाण और दशोली का डोली का कार्यक्रम। समाचार पत्र के अनुसार कुरुड़ नंदा मंदिर समिति ने इसी वर्ष पांच सितंबर से प्रस्तावित बड़ी नंदा देवी जात की तैयारियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इसी खबर पर अमर उजाला की सुर्खी है– कुरुड़ में बड़ी जात इसी साल और नौटी में अगले वर्ष श्री नंदा राजजात।

बदरीनाथ मंदिर के कपाट आगामी तेईस अप्रैल को खुलेंगे। अमर उजाला समाचार पत्र के अनुसार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट खुलने की तिथि भी निर्धारित की गई, और कपाट 18 मई को खुलेंगे।

उत्तराखंड में एआई से सुलझेंगी शहरों की समस्यांए। इस शीर्षक के साथ हिंदुस्तान समाचार पत्र लिखता है– राज्य के शहरी क्षेत्रों में बिजली, पानी, ट्रेफिक , सड़क व परिवहन से संबंधित समस्याएं हल करने के लिये आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की सहायता ली जाएगी। इसकी शुरुआत देहरादून के राजपुर रोड और सहस्त्रधारा रोड से की जा रही है।